हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 33 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 24 दिसंबर से 30 दिसंबर 2021

अनिल देशमुख पर लगा जुर्माना

सीएम राहत कोष में करने होंगे 50,000 रुपये

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को एक बार फिर से चांदीवाल आयोग ने जुमार्ना लगाया है। खबर के अनुसार चांदीवाल आयोग ने महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर 50,000 रुपये का जुमार्ना लगाया क्योंकि उनके वकील बर्खास्त मुंबई पुलिस अधिकारी सचिन वाजे की जिरह के लिए मौजूद नहीं थे। जुमार्ना सीएम राहत कोष में जमा कराया जाएगा। इससे पहले अनिल देशमुख के खिलाफ आयोग ने पिछले दिनों पेशी वारंट जारी किया था और बर्खास्त पुलिसकर्मी सचिन वाजे को भी तलब किया गया था। दोनों को क्रमश: 16 दिसंबर और 20 दिसंबर के लिए हाजिर होने के लिए कहा गया था।

संजय राउत बोले- यह उनका सम्मान है

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने अपनी पार्टी के नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री गुलाबराव पाटिल के उस बयान का बचाव किया है जिसमें उन्होंने अपने क्षेत्र की सड़कों की तुलना बीजेपी सांसद और अभिनेत्री हेमा मालिनी के गालों से की थी। संजय राउत ने सोमवार को कहा कि चिकनी सड़कों की तुलना बॉलीवुड की दिग्गज और बीजेपी की सांसद हेमा मालिनी के गाल से करना उनका सम्मान करने जैसा है।

दरअसल, महाराष्ट्र के मंत्री गुलाबराव पाटिल ने अपने निर्वाचन क्षेत्र की सड़कों को अभिनेत्री की गालों की तरह बताकर विवादों में आ गए थे।पाटिल के बयान पर राज्य महिला आयोग की ओर से कड़ी आपत्ति जताए जाने के बाद मंत्री ने अपने बयान के लिए माफी मांग ली है। संजय राउत ने कहा कि इस तरह की तुलना पहले भी हुई थी और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव भी इसी तरह का उदाहरण दिए थे।राउत ने कहा कि इस तरह की तुलना पहले भी हो चुकी है। यह हेमा मालिनी के लिए सम्मान की बात है। इसलिए इसे गलत तरीके से न दखें। इससे पहले लालू यादव ने भी ऐसा ही उदाहरण दिया था। हम हेमा मालिनी का सम्मान करते हैं। महाराष्ट्र के मंत्री और शिवसेना नेता गुलाबराव पाटिल ने कहा था ह्यमेरी चुनौती है कि जो व्यक्ति (एकनाथ खडले) 30 साल से विधायक हैं, वह मेरे घर (अपने निर्वाचन क्षेत्र, जलगांव जिले में) की ओर आए, अगर सड़कें हेमा मालिनी के गाल की तरह नहीं हैं, तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। मंत्री के इस बयान के बाद महाराष्ट्र में राजनीति हड़कंप मच गया था।

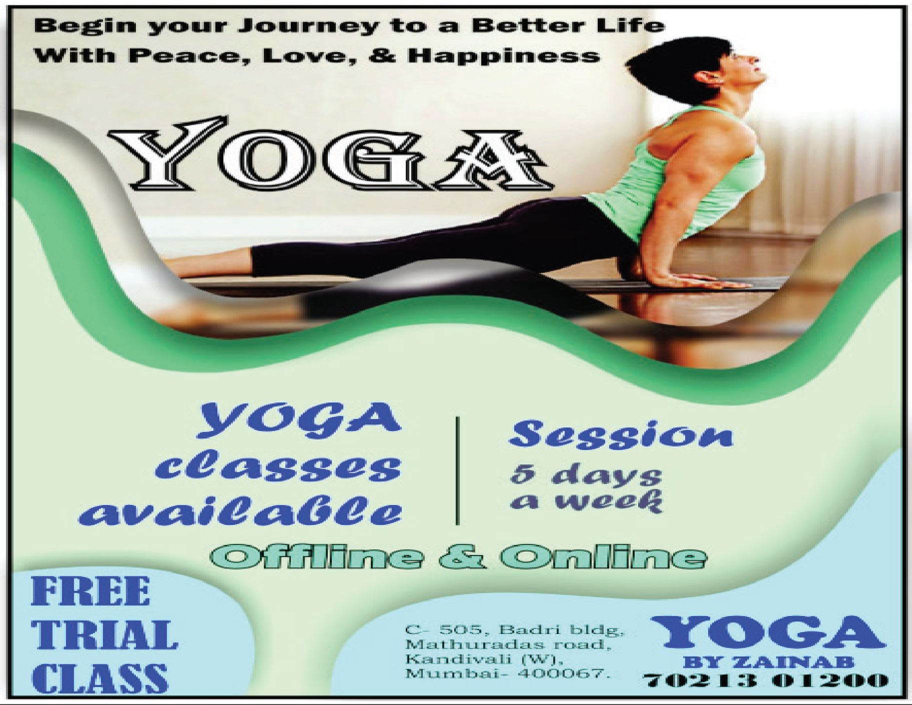

मुंबई में कोरोना वायरस के 490 केस
महाराष्ट्र में 35 दिन बाद मामलों में बड़ा उछाल

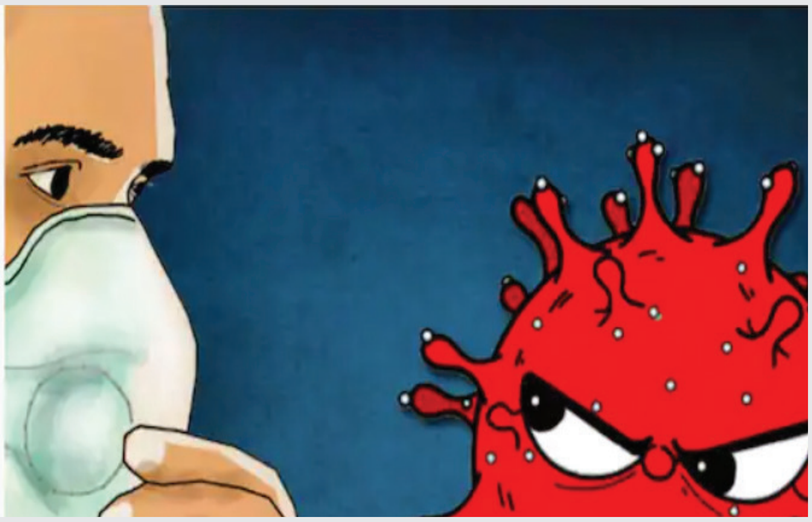

मुंबई: मुंबई में गुरुवार को कोरोना वायरस के 490 केस सामने आए हैं. वहीं पूरे महाराष्ट्र में 1,201 लोग संक्रमित मिले हैं. मुंबई में इतने मामले ऐसे दिन सामने आए हैं जिस दिन महाराष्ट्र में 48 दिनों में सबसे ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं. पिछले दिन की तुलना में शहर में 160 केस ज्यादा दर्ज किए गए. हालांकि कोविड-19 से मौत का एक भी मामला सामने नहीं आया है. लेकिन महाराष्ट्र में गुरुवार को 8 मौतें दर्ज की गईं. शहर में सोमवार को 204 केस सामने आए थे जबकि मंगलवार को 327 केस सामने आए थे. महाराष्ट्र में गुरुवार को ओमिक्रॉन वेरिएंट का एक भी केस सामने नहीं आया है. राज्य में अब तक इस नए वेरिएंट के 65 केस दर्ज किए जा चुके हैं. इनमें से 35 लोगों की टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद उन्हें अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई है. मुंबई में 490 केस सामने आने के बाद शहर में अब तक कुल मामलों की संख्या 7 लाख 68 हजार 148 हो गई है जबकि अब तक 16,366 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं. पिछले 24 घंटों में कुल 45,014 टेस्ट किए गए, जिससे इनकी कुल संख्या 1,32,9 1,717 हो गई है. 229 मरीजों को अस्पतालों से छुट्टी मिलने के बाद मुंबई में फिलहाल कोविड-19 के 2,419 एक्टिव मामले हैं. मुंबई में अब तक 7,46,784 मरीज ठीक हो चुके हैं और ठीक होने की दर 97 फीसदी है. 15 दिसंबर से 21 दिसंबर के बीच संक्रमण की कुल वृद्धि दर 0.03 प्रतिशत रही, जबकि मामले के दोगुने होने की दर 1,962 दिन थी.मुंबई में 14 इमारतों को सील किया गया है, जहां पांच से अधिक लोग कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं. लेकिन पिछले कुछ महीनों से झुग्गियों और चॉलमें कोई कंटेनमेंट जोन नहीं है. इस साल, मुंबई में 4 अप्रैल को सबसे अधिक 11,163 मामले दर्ज किए गए और महामारी की दूसरी लहर के दौरान 1 मई को सबसे अधिक 90 मौतें हुईं.

गौरतलब है कि भारत में कोरोना वायरस के नए स्वरूप ह्यओमीक्रोनह्व के 213 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से 90 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं या अन्य स्थानों पर चले गए. ये मामले 15 राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशों में सामने आए. केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि दिल्ली में ओमीक्रोन स्वरूप के सबसे अधिक 57 मामले, महाराष्ट्र में 54, तेलंगाना में 24, कर्नाटक में 19, राजस्थान में 18, केरल में 15 और गुजरात में 14 मामले सामने आए हैं.

आदित्य ठाकरे को जान से मारने की धमकी देने वाला शख्स गिरफ्तार

मुंबई. महाराष्ट्र के पर्यावरण मंत्री आदित्य ठाकरे को जान से मारने की धमकी देने वाले 34 वर्षीय आरोपी को पश्चिमी क्षेत्रीय साइबर पुलिस ने बेंगलुरु से गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी ने ठाकरे के व्हाट्सएप पर मैसेज कर धमकी दी थी. आरोपी ने एक मैसेज में ठाकरे पर अभिनेता सुशांत राजपूत की हत्या करने का आरोप लगाया है. आरोपी ने 8 दिसंबर की आधी रात के करीब सबसे पहले आदित्य ठाकरे को वाट्सएप पर मैसेज किया. इसमें उन्होंने सुशांत सिंह की मौत को जिम्मेदार ठहराया था. इसके बाद उसने तीन फोन किए. ठाकरे ने इसे रिसीव नहीं किया. इसके बाद आरोपी ने आदित्य ठाकरे को जान से मारने की धमकी भेजी. ठाकरे ने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया.आरोपी ने ठाकरे को जान से मारने की धमकी दी थी. भेजे गए मैसेज में आरोपी ने लिखा- ह्यतूने सुशांत सिंह राजपूत को मारा अगला नंबर तेरा होगा.ह्व दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का फैन बताने वाले जयसिंह ने 8 दिसंबर की रात भेजे मैसेज में ठाकरे को अपशब्द भी कहे थे. साइबर पुलिस ने तकनीक की मदद से जांच की. उन्हें

देश का बड़ा चंदन तस्कर बादशाह मलिक गिरफ्तार
मुंबई में चढ़ा EDके हत्थे

मुंबई. प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने देश के बड़े चंदन तस्कर को मुंबई से मंगलवार सुबह गिरफ्तार किया है. इसका नाम बादशाह मलिक है. बताया जा रहा है कि बादशाह मलिक अंडरवर्ल्ड के साथ मिलकर पूरी दुनिया में लाल चंदन की लकड़ी की तस्करी करता था. जानकारी दी गई है कि प्रवर्तन निदेशालय की ओर से लाल चंदन की तस्करी मामले में मुंबई में कई जगहों पर सोमवार को भी छापेमारी की गई थी.लाल चंदन के तस्करों बादशाह मलिक और विजय पुजारी के खिलाफ राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के एक मामले के सामने आने के बाद ईडी ने ईसीआईआर दर्ज की थी. इसके आधार पर यह छापेमारी की गई थी. ईडी ने बादशाह मलिक को सोमवार को पूछताछ के लिए पकड़ा था और मंगलवार को सुबह उसे गिरफ्तार कर लिया.2015 में डीआरआई ने एक अंतरराष्ट्रीय तस्करी रैकेट का पता लगाया था. जिसमें लाल चंदन जैसी दुर्लभ और कीमती लकड़ी की तस्करी देश के बाहर की जा रही थी. इसे माल ढुलाई के कंटेनरों में निर्यात किया जा रहा था. मुंबई स्थित एक शिपिंग कंपनी के माध्यम से अन्य देशों में 7800 मीट्रिक टन से अधिक लाल चंदन की तस्करी की जा रही थी.

ओमिक्रोन के खतरे को देख सतर्क हुई मुंबई, बीएमसी की नई गाइडलाइन जारी

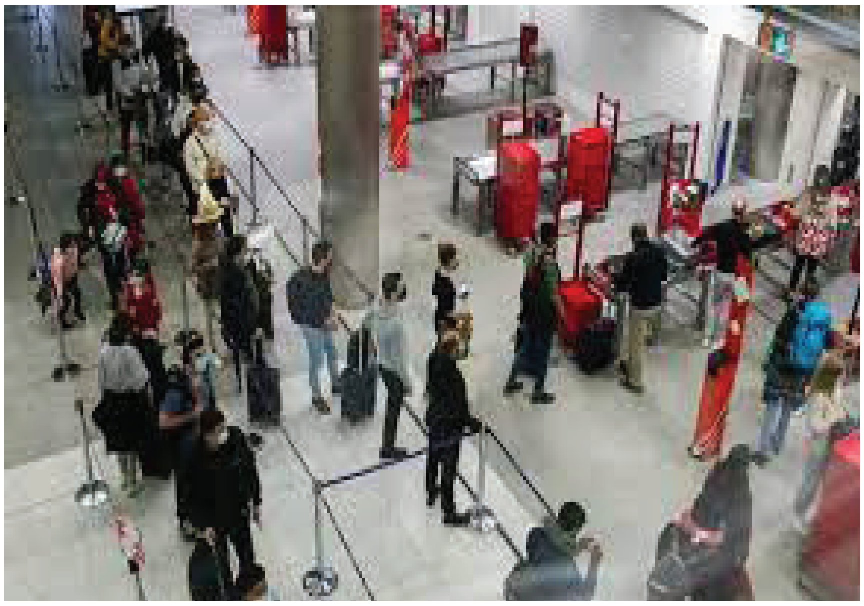

मुंबई। महाराष्ट्र में ओमिक्रोन वैरिएंट के बढ़ते मामलों को देखते हुए बीएमसी ने नए दिशा निर्देश जारी किए हैं साथ ही क्रिसमस (उँ१२३ें२) और नए साल (ठी६ ीं१ 2022) को ध्यान में रखते हुए कई तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। गौरतलब है कि अब तक 14 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तक यह नया वैरिएंट पहुंच चुका है और इसके 200 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं। ऐसे में नए वैरिएंट से बढ़ते खतरे को देखते हुए केंद्र सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सावधान करते हुए कहा है कि ह्यवार रूमह्लसक्रिय कर लें और नाइट कर्फ्यू (ढ़ँ३ उ४१ी६) लगाने जैसे कदम उठाने पर भी विचार करेंओमिक्रोन के मामलों को देखते हुए मंगलवार को, बीएमसी (बृहन्मुंबई नगर निगम) ने नए दिशानिर्देश पेश किए, जिसमें कहा गया था कि नए आदेशों के अनुसार, किसी कार्यक्रम में 200 लोगों के एकत्रित होने के लिए अधिकारियों से लिखित अनुमति लेनी होगी। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि बंद स्थानों में ह्ल66 फीट की दूरी को सख्ती से बनाए रखते हुएह्व 50 प्रतिशत क्षमता की अनुमति दी जाएगी, लेकिन खुले स्थानों में समान दूरी के मानदंड के साथ केवल 25 प्रतिशत क्षमता की अनुमति होगी।

इसमें आगे कहा गया है, ह्लकिसी भी कार्यक्रम / समारोह / सभा / शादी / पार्टी / बैठक, गतिविधि या सामाजिक, धार्मिक या राजनीतिक कार्यक्रम में उपस्थित हुए लोगों की संख्या 200 से अधिक है तो ऐसे में वहां सहायक आयुक्त या स्थानीय वार्ड अपने प्रतिनिधियों को पर्यवेक्षक के रूप में, ऐसी किसी भी सभा की निगरानी के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए भेजेगा कि वहां कोविड-19 उपयुक्त व्यवहार और समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा निर्धारित किसी भी अन्य नियमों का कड़ाई से पालन हो। ह्वउल्लंघन करने वालों को भारतीय दंड संहिता, 1860 और आपदा प्रबंधन अधिनियम, 2005 की धाराओं के तहत दंडित किया जाएगा। इससे पहले, राज्य सरकार ने बिना किसी अनुमति के 1,000 लोगों को इकट्ठा होने की अनुमति दी थी।

शख्स की हत्या, शव मिला प्लास्टिक के टैंक में

विरार : विरार पूर्व क्षेत्र में एक अज्ञात शख्स की हत्या किए जाने की खबर सामने आई है। इस हत्या मामले में विरार पुलिस ने अज्ञात आरोपी के ऊपर कलम 302,201 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर आगे की तहकीकात में जुट गयी है। विरार थाने के सीनियर पीआई सुरेश वराडे ने कहा कि अभी तक शव की शिनाख्त (पहचाना) नही हो पाई है,जिसकी छानबीन विरार पुलिस कर रही है। यह जानकारी पुलिस ने शुक्रवार को दी है। पुलिस ने बताया कि 25 नवम्बर को सुबह 8;30 बजे के आसपास मौजे उसगांव अंतर्गत शिरसाड नाका - वजेश्वरी रोड,प्रभाकर पाटिल भाईंदरकर की वाड़ी विरार पूर्व इलाके में अज्ञात आरोपी द्वारा किसी अज्ञात कारण वश एक 40 से 45 वर्षीय पुरुष की किसी हथियार या गला दबाकर हत्या कर शव को ह्लपायल कंटेनरह्व इंग्लिश में लिखा प्लास्टिक टैंक में कंबल में साड़ी के टुकड़ा से हाथ पैर बांधकर,सबूत नष्ट करने से इरादे से डाल दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची शवको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने कहा कि अज्ञात आरोपी के ऊपर उक्त धाराओ के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है तथा जल्द ही शव की शिनाख्त व हत्यारे पकड़े जाएंगे।

भाई की मौत के बाद बहन ने बिल्डिंग से लगाई छलांग

वसई : विरार पश्चिम के ग्लोबल सिटी में एक 24 वर्षीय युवती द्वारा बिल्डिंग से छलांग लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना सामने आई है। इस मामले में अनार्ला पुलिस ने एडीआर के तहत केस पंजीकृत कर आगे की तहकीकात में जुटी है। यह जानकारी पुलिस ने गुरुवार को दी है। पुलिस ने बताया कि प्रीती विजयकुमार मौर्या (25),बद्रीनाथ यादव चाल,कांदवली पूर्व मुंबई में रहती थी।बताया गया है कि 24 नवम्बर को प्रीती विरार पश्चिम के डी.विंग लैंडमार्क ग्लोबसिटी स्थित बिल्डिंग से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के मुताबिक,एक वर्ष पूर्व प्रीती का भाई दीपक विजयकुमार मौर्या का मृत हो गया था,जिसके बाद प्रीती मानशिक टेंसन के चलते उसने उक्त घटना को अंजाम दिया। हालाँकि शवको कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। आगे की तहकीकात जारी है।

मुंबई में आधी रात को खाना नहीं देने पर पुलिसकर्मी ने बार के कैशियर को पीटा

मुंबईः महाराष्ट्र के मुंबई में आधी रात को खाना भेजने से मना करने पर एक बार के कैशियर की पुलिसकर्मी ने जमकर पिटाई कर दी। सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद यह घटना चर्चा में आई। खाना भेजने से मना करने पर एक सहायक पुलिस निरीक्षक ने कथित तौर पर बार के कैशियर के साथ दुर्व्यवहार किया और उसके साथ मारपीट की। एक अधिकारी ने वीरवार को यह जानकारी दी। बुधवार रात करीब साढ़े बारह बजे हुई घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। बार मालिक ने यहां वकोला पुलिस स्टेशन में तैनात एपीआइ विक्रम पाटिल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। बार के मालिक महेश शेट्टी के मुताबिक, पुलिसकर्मी ने पहले बार कैशियर रामदास पाटिल को फोन करके कहा कि उसे खाना मुहैया कराया जाए। कैशियर ने बताया कि किचन बंद है। शेट्टी ने कहा कि कुछ मिनटों के बाद एपीआइ बार में घुस गया। बार वकोला पुलिस स्टेशन के करीब स्थित है। बार में पुलिसकर्मी ने कथित तौर पर कैशियर को गाली देना और मारपीट करना शुरू कर दिया। उन्होंने कहा कि रात के 12.30 बजे थे, जब उन्होंने भोजन मांगा। हम समय सीमा से परे प्रतिष्ठान कैसे खोल सकते हैं? हमने एपीआइ के खिलाफ शिकायत दर्ज की है और प्राथमिकी दर्ज करने के लिए शीर्ष अधिकारियों से संपर्क करेंगे। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह घटना कैशियर और एपीआइ के बीच खाने को लेकर हुई.

संपादकीय

संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला

मतदाता पहचान पत्रों को आधार कार्ड से जोड़ने की पहल

केंद्र सरकार ने निर्वाचन आयोग की सिफारिशों के आधार पर चुनाव सुधारों को आगे बढ़ाने का फैसला कर एक आवश्यक काम किया है। इनमें सबसे बड़ा सुधार मतदाता पहचान पत्रों को आधार कार्ड से जोड़ने का है। हालांकि फिलहाल यह स्वैच्छिक आधार पर किया जाएगा, लेकिन उम्मीद की जाती है कि आगे चलकर सभी मतदाता पहचान पत्रों को आधार कार्ड से जोड़ने में सफलता मिलेगी। अभी ऐसा इसलिए नहीं किया जा सकता, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इससे निजता के अधिकार में हनन होने की बात कही थी। उचित होगा कि सुप्रीम कोर्ट अपने इस दृष्टिकोण पर नए सिरे से विचार करे। बेहतर होगा कि निर्वाचन आयोग और भारत सरकार सुप्रीम कोर्ट से यह अनुरोध करें कि वह मतदाता पहचान पत्रों को आधार कार्ड से जोड़ने की प्रक्रिया को निजता के अधिकार में हनन के रूप में न देखे। आखिर जब पैन कार्ड, राशन कार्ड आदि आधार से जुड़ सकते हैं तो फिर मतदाता पहचान पत्र के साथ भी ऐसा करने में क्या हर्ज है ?निःसंदेह निजता के अधिकार का अपना महत्व है, लेकिन किसी भी अधिकार की तरह वह भी असीम नहीं हो सकता। विडंबना यह है कि अपने देश में एक समूह ऐसा है, जो हर सुधार का विरोध करता है। ऐसे ही एक समूह ने यह माहौल बना रखा है कि यदि मतदाता पहचान पत्रों को आधार से जोड़ा जाता है तो इससे लोगों की निजता का हनन होगा। यह और कुछ नहीं, एक जरूरी सुधार की राह में अड़ंगा लगाने वाला रवैया है। दुर्भाग्य यह है कि कुछ राजनीतिक दल भी यही रवैया अपनाए हुए हैं। ऐसे दलों के साथ-साथ सुप्रीम कोर्ट को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता पहचान पत्रों को आधार कार्ड से जोड़ने के जो पायलट प्रोजेक्ट चलाए जा रहे हैं, वे बेहद सफल हैं और उनके जरिये फर्जी एवं दोहरे मतदाता पहचान पत्रों की समस्या से पार पाने में मदद मिली है। इसका अर्थ है कि इन पायलट प्रोजेक्ट में शामिल लोगों को वैसी कोई समस्या नहीं, जिसकी ओर सुप्रीम कोर्ट ने इंगित किया था। इससे भी कोई अनभिज्ञ नहीं हो सकता कि देश में फर्जी या दोहरे मतदाता पहचान पत्रों की जो समस्या है, वह चुनावों की निष्पक्षता पर चोट करती है। यह अच्छा हुआ कि सरकार ने निर्वाचन आयोग की सिफारिशों को मंजूरी दे दी, लेकिन अभी चुनाव सुधारों को और आगे बढ़ाने की जरूरत है।

आरबीआई क्यों चाहता है कि देश में क्रिप्टो पर बैन लगे ?

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने अपने बोर्ड के सामने कहा कि भारत में क्रिप्टोकरेंसी पर पूरी तरह से बैन लगना चाहिए. इसके साथ ही रिजर्व बैंक चाहता है कि क्रिप्टोकरेंसी को रेगुलेट करने के लिए एक ग्लोबल पॉलिसी भी बननी चाहिए. अब सवाल उठता है कि जिस क्रिप्टोकरेंसी का मार्केट हिंदुस्तान में लाखों करोड़ों डॉलर का है, क्या वहां क्रिप्टोकरेंसी को पूरी तरह बंद करना इतना आसान होगा. दरअसल भारतीय रिजर्व बैंक ने अपने बोर्ड के प्रेजेंटेशन में कहा कि क्रिप्टोकरेंसी पर पूरी तरह से प्रतिबंध होना चाहिए, इसमें आंशिक प्रतिबंध काम नहीं करेंगे.हालांकि आरबीआई का क्रिप्टोकरेंसी को लेकर रुख कोई नया नहीं है. वैकल्पिक मुद्राओं को मान्यता देने के विरोध में आरबीआई हमेशा रहा है. हालांकि देश में क्रिप्टोकरेंसी पर बैन लगेगा या नहीं लगेगा इसका फैसला भारतीय संसद करेगी. दरअसल इसी शीतकालीन सत्र में सरकार ने क्रिप्टोकरेंसी एंड रेगुलेशन आफ ऑफिशियल डिजिटल करेंसी बिल 2021 को सूचीबद्ध किया है. जानकारी के अनुसार इस बिल में सभी प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसी पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है. इसके साथ ही बिल में यह भी मांग है कि कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बिना वारंट के गिरफ्तारी का प्रावधान हो और उन्हें जमानत भी ना मिले. आरबीआई क्यों चाहती है कि क्रिप्टोकरेंसी बैन हो दरअसल क्रिप्टोकरेंसी एक डिसेंट्रलाइज्ड ब्लॉकचेन करेंसी होती है. यानि इसके डिमांड एंड सप्लाई पर किसी का कंट्रोल नहीं होता है. एक करेंसी के रूप में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर बहुत ज्यादा खामियां हैं, जिसको लेकर आरबीआई चिंतित है. दरअसल क्रिप्टोकरेंसी के डिसेंट्रलाइज होने की वजह से आप इसे ट्रैक नहीं कर सकते. यानि अगर इस क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल टेरर फंडिंग और हवाला जैसे चीजों के लिए होता है तो आरबीआई या कोई भी गवर्नमेंट एजेंसी इसे ट्रैक नहीं कर सकती. हमें समझना होगा कि आज आरबीआई का काम केवल यह नहीं है कि वह देश में पैसा सकुर्लेट करे, बल्कि आरबीआई आज ट्रांजैक्शंस को ट्रैक भी करता है. समस्या इस बात की है कि जब किसी करेंसी पर कोई होल्ड नहीं होता या उसे कोई रेगुलेट करने वाला नहीं होता तो यह तेजी से ऊपर जाता है और तेजी से नीचे गिरता है. जिससे देश की अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो सकता है. हाल ही में आपने देखा होगा जैसे ही क्रिप्टोकरेंसी पर बैन की बात आई पूरा मार्केट कैसे रातों-रात क्रैश हो गया. हालांकि इसके पहले इसी मार्केट ने ही लोगों को रातों-रात कई सौ गुना प्रॉफिट भी दिया था. यानि साफ शब्दों में कहें तो यह मार्केट पूरी तरह से रिस्क कि रास्ते पर चलता है. जहां आपको 1 दिन में कई सौ गुना प्रॉफिट भी हो सकता है और 1 दिन में कई सौ गुना लॉस भी हो सकता है.इसे सीधे शब्दों में समझें तो डिजिटल करेंसी पर पूरी तरह से बैन लगाना संभव नहीं है, क्योंकि बैन के बाद भी लोग इसे एक दूसरे के साथ शेयर कर सकते हैं. दरअसल क्रिप्टोकरेंसी सिंपल कंप्यूटर कोड के पीस होते हैं, जिसे बैन नहीं किया जा सकता. हां, लेकिन यह जरूर है कि इस पर एक रेगुलेटरी बैन लगाया जा सकता है. जिसकी वजह से मेंन स्ट्रीम यूजर्स को क्रिप्टो में ट्रेड करने में दिक्कत आएगी.

एक बात यह भी है कि सरकार हो सकता है क्रिप्टो को एक करेंसी के रूप में बैन करे और इसे एक ऐसेट के रूप में लागू रख सकती है.संभव यह भी है कि भारत सरकार शीतकालीन सत्र में प्राइवेट क्रिप्टोकरेंसीज पर बैन लगा कर आरबीआई द्वारा रेगुलेट डिजिटल करेंसी लॉन्च करे, जिस पर आरबीआई और केंद्रीय संस्थाएं अपना होल्ड बनाए रखें और उस पर जनता को ट्रेड करने का अवसर प्रदान करे. क्रिप्टोकरेंसी पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने को लेकर जो सबसे बड़ी समस्या आएगी वह यह है की वर्तमान समय में इस करेंसी में भारत के 15 से 20 मिलियन लोगों ने इन्वेस्ट कर रखा है, इन सभी की होल्डिंग मिला दी जाए तो यह लगभग 40 हजार करोड़ के आसपास है. इसलिए आने वाले समय में सरकार को बेहद सोच समझकर इस आभासी मुद्रा पर फैसले लेने होंगे.

ब्रोकर डिस्कवरी और कंपैरिजन प्लेटफार्म ब्रोकर चूजर की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में क्रिप्टो मालिकों की संख्या के मामले में भारत पहले नंबर पर है. इस रिपोर्ट में कहा गया कि दुनिया भर में क्रिप्टो मालिकों की संख्या में अगर भारतीयों के योगदान को देखें तो यह 10.7 करोड़ है. बीते 12 महीनों में कुल ग्लोबल सर्च, स्क्रिप्ट मालिकों की संख्या, ग्लोबल क्रिप्टो एडॉप्शन इंडेक्स और अन्य फैक्टर्स के आधार पर भारत सातवां सबसे ज्यादा क्रिप्टो अवेयर देश है. इन 10 करोड़ भारतीयों ने क्रिप्टोकरेंसी में लगभग 40,000 करोड़ रुपए का निवेश किया है.

सवाल उठता है कि अगर भारत सरकार इन क्रिप्टोकरेंसीज को बैन कर देती है तो फिर इन इन्वेस्टर्स और इनके पैसे का क्या होगा. अगर भारत ने क्रिप्टोकरेंसी बैन होती है तो इन्वेस्टर्स के पास 2 प्राइमरी ऑप्शन बचेंगे. पहला इन्वेस्टर अपनी करेंसी को बेच दे या फिर दूसरा कि अपने क्रिप्टो ऐसेट्स को करेंसी एक्सचेंज वॉलेट में रखें. यानि जो लोग बैन के बाद भी क्रिप्टोकरेंसी को अपने पास रखना चाहते हैं.

अयोध्या में माननियों के भूमि खरीदने पर सीएम योगी आदित्यनाथ सख्त, विशेष सचिव से पांच दिन में मांगी रिपोर्ट

लखनऊः अयोध्या में राम मंदिर के पांच किलोमीटर के दायरे में विधायक, महापौर और पुलिस-प्रशासन के कई अधिकारियों व कर्मचारियों के रिश्तेदारों के नाम पर जमीनें खरीदने के मामले की राज्य सरकार जांच कराएगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपर मुख्य सचिव राजस्व मनोज कुमार सिंह को मामले की जांच कराने का आदेश दिया है। अपर मुख्य सचिव राजस्व ने विशेष सचिव राजस्व राधेश्याम मिश्रा को मामले की जांच कर पांच दिन में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। विशेष सचिव राजस्व मौके पर जाकर जांच करेंगे और अपनी रिपोर्ट देंगे। अयोध्या में राम मंदिर की पांच किलोमीटर की परिधि में विधायक, महापौर, पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों और कर्मचारियों के रिश्तेदारों के नाम पर जमीनें खरीदे जाने का मामला मीडिया में उजागर होने के बाद विपक्षी दलों को विधान सभा चुनाव की सरगर्मी के बीच सरकार पर हमला करने का मुद्दा मिल गया है। बुधवार को आम आदमी पार्टी ने इसे लेकर सरकार पर करारा हमला बोला। मुख्यमंत्री ने इसे गंभीरता से लेते हुए राजस्व विभाग को इसकी जांच कराने का आदेश दिया है।

मुख्यमंत्री के समाज सुधार अभियान पर तेजस्वी का तंज

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमारआज बुधवार से समाज सुधार अभियान पर हैं। इसकी शुरूआत उन्होंने मोतिहारी से की है। इस अभियान के जरिए राज्य में लागू शराबबंदी कानून के लेकर लोगों को जागरूकर किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री विकास कार्यों की समीक्षा करेंगे। लेकिन बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इस अभियान को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री प्रदेश में शिक्षा,स्वास्थ्य व विधि व्यवस्था, महंगाई, भ्रष्टाचार, गरीबी को लेकर यात्रा क्यों नहीं करते हैं। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव एक बार फिर से राजनीतिक तौर पर सक्रिय दिखे। उन्होंने बुधवार की सुबह सुबह ही एक बार फिर से सरकार को घेरने की कोशिश की। उन्होंने सीएम की यात्रा को लेकर तंज कसा और इंटनेट मीडिया पर अपनी बात कही। तेजस्वी ने मुख्यमंत्री से सवाल किया है

विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी हो जाएं तैयार, गांवों में भाजपा की जुमलेबाजी का करें पर्दाफाश : अखिलेश यादव

इटावाः समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव बुधवार को यहां पर कार्यकताओं के बीच एक घंटे तक रहे। विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाने को कहा। बोले, वर्ष 2022 में सपा की सरकार बनाने के लिए कमर कस लें। चुनाव में अब समय नहीं रह गया है। गांव-गांव में जाकर संपर्क शुरू करें और भाजपा की जुमलेबाजी का पदार्फाश करें। लोक निर्माण विभाग के अतिथिगृह में उन्होंने कई जिलों से आए कार्यकताओं से एक-एक कर मुलाकात की। उन्होंने कार्यकताओं को नसीहत भी दी। कहा कि इस चुनाव में कोई चूक मत कर देना और अभी दो महीने कड़ी मेहनत कर लेना। बूथ को मजबूत करें और समाजवादी पार्टी की सरकार बनवाएं। कार्यकताओं से मिलने के बाद वह इटावा शहर में विशंभर दयाल दुबे के निधन पर उनके आश्रम मार्ग स्थित आवास पर परिवार से शोक प्रकट करने पहुंचे। उसके बाद अजीतनगर में कार्यकर्ता मनीष कठेरिया के घर उनके पिता पुलिस से सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर राजेंद्र सिंह कठेरिया के निधन पर शोक जताने गए। इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष गोपाल यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष अभिषेक यादव, पूर्व सांसद प्रेमदास कठेरिया, हरिकिशोर तिवारी, रघुराज सिंह शाक्य, राजवीर सिंह यादव, भारत सिंह यादव, रामबाबू यादव मौजूद रहे। अखिलेश इटावा सफारी पार्क भी गए और कार से भ्रमण किया।

कल अलीगढ़ जाएंगे अखिलेशः गुरुवार को सपा अध्यक्ष सैफई से ही अलीगढ़ जाएंगे। वहां पर रालोद व सपा की संयुक्त रैली को संबोधित करेंगे। अखिलेश यादव सोमवार शाम को सड़क मार्ग से सैफई पहुंचे थे। मंगलवार को विजय रथ यात्रा में शामिल होने मैनपुरी और एटा जिले गए थे।

क्रिसमस और न्यू ईयर पर यूपी में अवैध शराब बेची तो खैर नहीं

लखनऊः उत्तर प्रदेश आबकारी विभाग ने क्रिसमस, नववर्ष और विधानसभा को देखते हुए विशेष प्रवर्तन अभियान शुरू किया है, जो पांच जनवरी तक चलेगा। अभियान के दौरान जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के माध्यम से आबकारी, पुलिस व प्रशासन की संयुक्त टीमों का गठन करते हुए दबिश और चेकिंग की जाएगी। अवैध शराब के निर्माण व बिक्री के अड्डों पर दबिश दिये जाने के साथ राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों पर स्थित संदिग्ध ढाबों की भी जांच कराई जाएगी।

अपर मुख्य सचिव आबकारी संजय आर भूसरेड्डी ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री व तस्करी के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई किये जाने के आदेश दिये गए हैं। आबकारी मंत्री रामनरेश अग्निहोत्री के निर्देश पांच जनवरी तक प्रदेश स्तर पर विशेष प्रवर्तन अभियान

चलाया जाएगा। अवैध मदिरा की बिक्री पर पूर्ण नियंत्रण के लिए आबकारी दुकानों पर उपलब्ध स्टाक की जांच की जाएगी।

उन्होंने बताया कि मुख्य मार्गों पर वाहनों की भी चेकिंग कराई जाएगी, जिससे अवैध मदिरा की तस्करी पर रोक लगाई जा सके। अवैध मदिरा के कार्य में संलिप्त माफिया पर आबकारी अधिनियम की धाराओं के साथ एफआइआर दर्ज कराते हुए कठोर कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए गए हैं। आबकारी आयुक्त सेंथिल पांडियन सी. ने बताया कि अभियान के दौरान यदि किसी व्यक्ति को किसी स्थान पर अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री, तस्करी या शराब से जुड़ी अन्य किसी शिकायत की सूचना प्राप्त होती है तो वह तत्काल मुख्यालय कंट्रोल रूम पर स्थापित टोल फ्री नंबरों 14405 के साथ वाट्सएप नंबर 9454466019 पर भी सूचना दे सकते हैं।

कविता

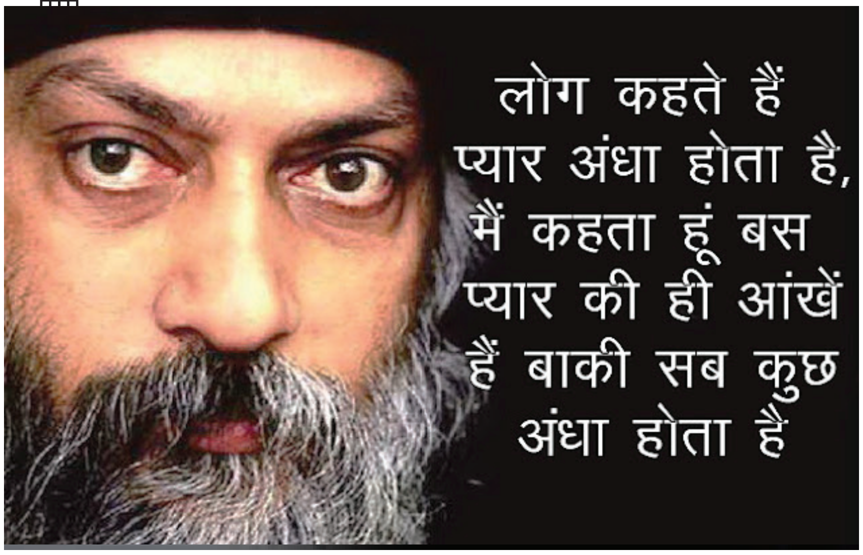

कहै कबीर दीवाना-ओशो

और बड़े मजे की बात यह है, कि ये ही तीन लोग तुम्हें मंदिरों, मस्जिदों में बैठे मिलेंगे। इन्हीं से मंदिर, मस्जिद भरे हैं। इन्हीं के कारण धर्म मर गया। ये वस्तुएं मांगने ही वहां जाते हैं। इनकी तिजोड़ी और कैसे बड़ी हो जाए! इनका राज्य और कैसे फैले, उसकी ही मांग करने परमात्मा के पास जाते हैं। ध्यान रखना, जो परमात्मा के पास परमात्मा के अतिरिक्त कुछ भी मांगने गया, वह उसके पास कभी पहुंच ही नहीं पाता। जाननेवाले तो कहते हैं कि उसके पास वे ही पहुंच पाते हैं, जो उसको भी नहीं मांगते। जो मांगते ही नहीं। जिनकी मांग ही खो जाती है। जो बिना मांगे उसके द्वार पर खड़े हो जाते हैं। बिना मांगे मोती मिले। वह बरस आता है उनके ऊपर। लेकिन वह बहुत दूर की बात है। क्योंकि बुद्ध कभी उसके द्वार पर बिना मांगे खड़ा होता है। लेकिन तुम जिस जगत में जी रहे हो--भिखारियों के--वहां कम से कम इतना तो कर ही सकते हो, कि परमात्मा को मांगो।

जारी......

सर्दियों में मूली खाने से कंट्रोल हो सकता है हाई ब्लड प्रेशर

सर्दियों में मूली खाने के कई फायदें है। मूली में कई पोषक तत्व होते हैं, जो हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए काफी फायदेमंद होते हैं। इसके सेवन से ब्लड सकुर्लेशन और हार्ट हेल्थ भी बना रहता है, जिसकी वजह से हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। मूली में एंटीऑक्सीडेंट, पोटैशियम और कैल्शियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है। साथ ही मूली में प्राकृतिक नाइट्रेट भी पाया जाता है, जो ब्लड सकुर्लेशन सही रखता है। मूली का सेवन आप कई प्रकार से कर सकते हैं। हाई ब्लड प्रेशर पेशेंट के लिए मूली के फायदे और इस्तेमाल के बारे में विस्तार से बता रही हैं

1. हाई ब्लड प्रेशर को करें कंट्रोल

सर्दियों में हाइपरटेंशन के मरीज को मूली जरूर खानी चाहिए। दरअसल मूली में पोटैशियम भरपूर मात्रा में पाया जाता है और पोटैशियम शरीर में सोडियम की मात्रा को नियंत्रित करता है, जो बीपी बढ़ने का मुख्य कारण होता है। इसलिए बीपी के मरीजों को मूली का सेवन जरूर करना चाहिए।

2. ब्लड सकुर्लेशन सही रखे

सर्दियों में हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों का ब्लड सकुर्लेशन स्लो हो जाता है। लेकिन मूली के सेवन से आपकी ये समस्या खत्म हो सकती है। दरअसल मूली में एंटीऑक्सीडेंट और कोलेजन पाया जाता है, जो शरीर में सही ढंग से रक्त संचार करने के लिए उत्तरदायी है।

3. पाचन तंत्र बनाए मजबूत

मूली में भरपूर मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो पेट से संबंधित समस्याओं को कम करने में मदद करता है। भोजन का सही ढंग से पाचन होने पर हाई ब्लड प्रेशर को भी कम करने में मदद मिलती है। इससे आपको अपच और गैस की समस्या भी नहीं होती है।

4. दिल का रखे ख्याल

मूली खाने से हार्ट हेल्थ सही रहता है। मूली में एंथोसायनिन होता है , जो दिल के स्वास्थ्य के लिए बेहद अच्छा होता है।

प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर क्यों हटाया था जोनस सरनेम

प्रियंका चोपड़ा ने कुछ दिनों पहले अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से अपने नाम में से जोनस सरनेम को हटा दिया था। प्रियंका के इस कदम के बाद सोशल मीडिया में निक जोनस संग उनकी शादी को लेकर चर्चाएं छिड़ गयी थीं। इस बात के कयास लगाये जाने लगे थे कि प्रियंका की शादी शायद ठीक नहीं चल रही है। इसीलिए उन्होंने सरनेम हटाया है। हंगामा इतना बढ़ा था कि प्रियंका की मॉम को इन खबरों के खंडन के लिए आगे आना पड़ा था। अब प्रियंका ने सरनेम हटाने और इस वाकये पर अपनी बात रखी है। ई-

टाइम्स से बातचीत में प्रियंका ने इसके पीछे वजह का खुलासा करते हुए कहा कि वो अपने इंस्टाग्राम यूजरनेम को ट्विटर के यूजरनेम से मैच करना चाहती थीं, इसलिए जोनस हटाया, मगर उन्हें यह देखकर बड़ी हैरानी हुई कि सोशल मीडिया में यह इतना बड़ा मुद्दा बन गया। प्रियंका ने कहा कि यह देखकर वाकई ताज्जुब होता है कि यहां सब कुछ कितना बड़ा मुद्दा बन जाता है। बता दें, प्रियंका इस वक्त द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस में नजर आ रही हैं, जो 22 दिसम्बर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। मैट्रिक्स सीरीज की इस फिल्म में किआनु रीव्स लीड रोल में हैं। प्रियंका फिल्म में सती नाम का किरदार निभा रही हैं। अमेरिका में द मैट्रिक्स रिसरेक्शंस के प्रमोशंस के दौरान एक वेबसाइट ने प्रियंका चोपड़ा को अमेरिकिन सिंगर और एक्टर की पत्न ी के तौर पर संबोधित किया था, जिस पर प्रियंका ने कड़ा एतराज जताते हुए तंज कसा था।प्रियंका का कहना था कि इतना कुछ हासिल करने के बाद उनकी पहचान निक जोनस की पत्नी के रूप में सीमित कर दी गयी। प्रियंका ने इस रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा- बहुत ही दिलचस्प है कि मैं दुनिया की सबसे आइकॉनिक फ्रेंचाइजी में से एक का प्रमोशन कर रही हूं और मुझे फिर भी वाइफ ऑफ... कहकर बुलाया जाता है।

साउथ अफ्रीका दौरे पर टीम इंडिया के इन तीन खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

नई दिल्ली: भारतीय क्रिकेट टीम इस वक्त साउथ अफ्रीका के दौरे पर है। टीम इंडिया के सामने मुश्किल चुनौती है लेकिन सीरीज जीतने का अच्छा मौका भी। कंडीशन के हिसाब से दौरा मुश्किल बताया जा रहा है लेकिन मौजूदा मेजबान टीम को देखते हुए सीरीज में जीत की उम्मीद भी जताई जा रही है। इस दौरे पर टीम इंडिया के तीन खिलाड़ियों पर खास नजर रहेगी।साउथ अफ्रीका पहुंची टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे विराट कोहली के पास खुद को साबित करने का मौका होगा। टी20 टीम की कमान छोड़ने का फैसला करने के बाद वनडे की कप्तानी से हटाए जाने पर काफी कुछ हो चुका है। दौरे पर पहुंचने से पहले भी प्रेस कान्फ्रेंस ने काफी विवाद पैदा किया था। इस दौरे पर उनके साथ उप कप्तान बनाए गए के एल राहुल और अनुभवी स्पिनर आर अश्विन पर नजर रहेगी। कप्तानी विवाद को पीछे छोड़कर साउथ अफ्रीका पहुंचे कोहली पर सीरीज के दौरान नजर रहेगी। बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता में खेले गए डे नाइट टेस्ट में आखिरी बार उनके बल्ले से टेस्ट शतक निकला था। 2019 के बाद से अब तक उन्होंने कोई शतकीय पारी नहीं खेली। साउथ अफ्रीका में कप्तान ने 5 टेस्ट मैच खेलकर 2 शतक और 2 अर्धशतक के साथ 558 रन बनाए हैं।

भारत के अनुभवी स्पिनर पर सबकी नजर रहेगी उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ हालिया सीरीज में विकेट लेने के मामले में हरभजन सिंह को पीछे छोड़ा। साउथ अफ्रीका में अब तक अश्विन को खुद को साबित करना बाकी है। उनके नाम यहां खेलते हुए 3 टेस्ट में महज 7 विकेट ही हैं। ऐसे में सीरीज में जीत हासिल करना है तो उनका प्रदर्शन टीम इंडिया के लिए मायने रखेगा। भारतीय टीम के लिए साउथ अफ्रीका में उप कप्तान की भूमिका निभाने वाले केएल राहुल के लिए यह दौरा अहम रहने वाला है।

यासिर शाह ने पाकिस्तान क्रिकेट को बदनाम किया : रमीज राजा

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम से स्पिनर यासिर शाह इन दिनों बेहद शर्मनाक वजह से चर्चा में हैं। इस खिलाड़ी पर 14 साल की लड़की के परिवार के लोगों के द्वारा एफआइआर दर्ज कराई गई है। दुष्कर्म करने वाले दोस्त की मदद करने के लिए यासिर का नाम सामने आया है। इस मामले पर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड की तरफ से भी बयान आया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने बुधवार को कहा कि टेस्ट लेग स्पिनर यासिर शाह से जुड़े प्रकरण के कारण पाकिस्तान क्रिकेट का नाम बदनाम हुआ है। दो दिन पहले इस्लामाबाद के शालीमार पुलिस स्टेशन में एक युगल ने एफआइआर दर्ज कराई जिसमें यासिर शाह का भी नाम है। युगल ने आरोप लगाया कि इस क्रिकेटर ने अपने मित्र की मदद की जबकि उसे पता था कि उसने उनकी 14 साल की भतीजी से दुष्कर्म किया है और उसका वीडियो बनाया है।रमीज ने कहा, ह्यइसमें कोई सोचने वाली बात नहीं है कि यासिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर है और हम इन खिलाड़ियों को प्रशिक्षित और शिक्षित करते हैं कि उनकी भूमिका खेल के दूत की है और उन्हें पता होना चाहिए .

पुजारा ने साउथ अफ्रीका सीरीज शुरू होने से पहले दिया इंटरव्यू

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने साउथ अफ्रीका दौरे से पहले टीम की तैयारी और प्रदर्शन पर बात की है। बीसीसीआइ टीवी को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा टीम के पास अच्छा अनुभव है और ज्यादातर खिलाड़ी पहले साउथ अफ्रीका में केल चुके हैं। टीम के लिए यह दौरा मुश्किल होने वाला है लेकिन टीम को पता है उनसे कैसी उम्मीद की जा रही है। पुजारा ने कहा, अगर जो आप दौरे पर पहुंची टीम का हिस्सा हैं तो इस बात का पता होता है कि रफ्तार और उछाल दोनों ही मिलने वाली है यहां तक कि गेंद की हरकत भी जरूर करती है। ऐसे में तेज गेंदबाजों का सामना करना बहुत ही बड़ी चुनौती हो जाती है जब कभी भी भारत के बाहर खेलते हैं।

आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने हासिल की टेस्ट में बादशाहत

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मार्नस लाबुशाने ने धमाकेदार खेल के दम पर आइसीसी टेस्ट रैंकिंग में बादशाहत हासिल की है। आइसीसी द्वारा बुधवार को जारी की गई ताजा टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को हटाकर पहला स्थान हासिल कर लिया है। एशेज सीरीज में लाबुशाने ने दो शतकीय पारी खेलने के बाद ही यह कामयाबी हासिल की। आइसीसी द्वारा बुधवार को ताजा रैंकिंग जारी की गई है। इसमें टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में बदलाव हुआ। आस्ट्रेलिया के मिडिल आर्डर बल्लेबाज लाबुशाने ने 912 अंक हासिल करते हुए पहले स्थान पर कब्जा जमा लिया है। आस्ट्रेलिया में खेली जा रही एशेज सीरीज के दौरान चार पारियों में बड़ी पारी खेल ना खेल पाने का उनको नुकसान हुआ है। वह एक पायदान नीचे खिसक गए हैं। 897 अंकों के साथ वह इस वक्त दूसरे नंबर पर हैं। इन दो स्थान के अलावा नीचे के 8 पोजिशन में किसी तरह का कोई बदलाव नहीं हुआ है। 884 अंक के साथ आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ तीसरे नंबर पर हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन 879 अंकों के साथ चौथे नंबर पर हैं। पांचवें स्थान पर भारत के रोहित शर्मा हैं। इसके बाद आस्ट्रेलिया के डेविड वार्नर हैं, जबकि सातवां नंबर भारतीय कप्तान विराट कोहली का है।

चंद्रकांत पाटिल बोले, स्वस्थ होने तक किसी और को कामकाज सौंप दें -सीएम उद्धव ठाकरे

मुंबई। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने बुधवार को कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को ठीक होने तक अपना प्रभार किसी और को सौंप देना चाहिए। पाटिल ने बुधवार को सत्र शुरू होने से पहले विधान भवन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए यह बात कही। हालांकि, राज्य के एक मंत्री ने कहा कि सीएम का स्वास्थ्य अच्छा है और किसी और को प्रभार सौंपने की जरूरत नहीं है। 61 वर्षीय ठाकरे सर्वाइकल स्पाइन सर्जरी से उबर रहे हैं। इसके लिए उन्हें लगभग तीन सप्ताह तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा था। मंगलवार को ठाकरे ने सत्र की पूर्व संध्या पर वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एक कैबिनेट बैठक और विधायकों के लिए एक चाय पार्टी में भाग लिया। सीएम ने हाल ही में विधान भवन का दौरा किया था, जो सर्जरी के बाद उनकी पहली सार्वजनिक उपस्थिति थी। अपनी छुट्टी के दौरान ठाकरे जो शिवसेना के अध्यक्ष भी हैं, अपने आधिकारिक आवास वर्षा से काम कर रहे हैं और वस्तुतः कैबिनेट की बैठकों में भाग ले रहे हैं इस बीच, पाटिल ने कहा कि यदि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र विधायिका के शीतकालीन सत्र में भाग लेने में असमर्थ हैं, तो उन्हें कार्य करने के लिए किसी को नामित करना चाहिए। यह उचित है कि मुख्यमंत्री विधायिका की कार्यवाही से अनुपस्थित रहें। हम पूर्ण अनुपस्थिति को स्वीकार नहीं करेंगे। वहीं, भाजपा नेता ने कहा कि उनके स्वास्थ्य की स्थिति को देखते हुए मुख्यमंत्री को अपना प्रभार शिवसेना या उनके परिवार के किसी अन्य व्यक्ति को सौंप देना चाहिए। सत्तारूढ़ सहयोगियों पर कटाक्ष करते हुए पाटिल ने आगे कहा कि उन्हें (सीएम) कांग्रेस और एनसीपी पर भरोसा नहीं है, क्योंकि वे पद नहीं छोड़ सकते हैं। राज्य मंत्री और उनके बेटे आदित्य ठाकरे को प्रभार दिया जा सकता है। भाजपा के राज्य प्रमुख ने यह भी कहा कि वे विभिन्न विभागों की भर्ती प्रक्रिया में कथित कदाचार का मुद्दा उठाएंगे। उनके मुताबिक, कई वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और सेवानिवृत्त अधिकारियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। हम सत्र के दौरान इस मुद्दे को जरूर उठाएंगे। हम सीबीआइ जांच की मांग करेंगे, क्योंकि कुछ साल पहले हुई पुलिस भर्ती प्रक्रिया भी जांच के दायरे में है। हालांकि, राज्य के जल संसाधन मंत्री जयंत पाटिल ने कहा कि एमवीए सरकार ने विधायिका की कार्यवाही के लिए कमर कस ली है। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे का स्वास्थ्य अच्छा है और वह किसी भी समय विधायिका में आ सकते हैं। किसी और को प्रभार सौंपने की जरूरत नहीं है। वह घर से काम कर रहे हैं।

इस बीच, महाराष्ट्र के पूर्व सीएम और बीजेपी नेता देवेंद्र फडनवीस ने कहा कि अगर मुख्यमंत्री (उद्धव ठाकरे) की तबीयत ठीक नहीं है और वह राज्य विधानसभा में नहीं आ सकते हैं, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन अगर वह ठीक हैं तो आएं...काम रुकना नहीं चाहिए।

पूछताछ के लिए पुलिस के सामने पेश नहीं हुई -कंगना रनौत

मुंबईः किसान आंदोलन को लेकर एक अलगाववादी संगठन की कथित पोस्ट के मामले में दर्ज एफआइआर के सिलसिले में कंगना रनोट बुधवार को पुलिस के सामने पेश नहीं हो सकीं। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। कंगना रनोट के खिलाफ यह एफआइआर खार पुलिस स्टेशन में पिछले महीने एक सिख संगठन की ओर से दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने इस सिलसिले में पूछताछ के लिए कंगना रनोट को इस महीने के शुरूआत में एक नोटिस भी दिया था। कंगना रनोट के वकील ने बांबे हाईकोर्ट को बताया था कि कंगना रनोट 22 दिसंबर से पहले खार पुलिस स्टेशन में पेश हो जाएंगी।

बुधवार को कंगना रनोट के वकील रिजवान सिद्दकी ने पेश होने के लिए नई तारीख की मांग की। वहीं, पुलिस शुरू में ही हाईकोर्ट को कह चुकी है कि वे 22 जनवरी, 2022 तक उन्हें गिरफ्तार नहीं करेगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास, गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित। संपादक: मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल: newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net